जय जय महाश्रमण

जय जय महाश्रमण

नारी लोक

अंक 229, जुलाई 2017

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान)

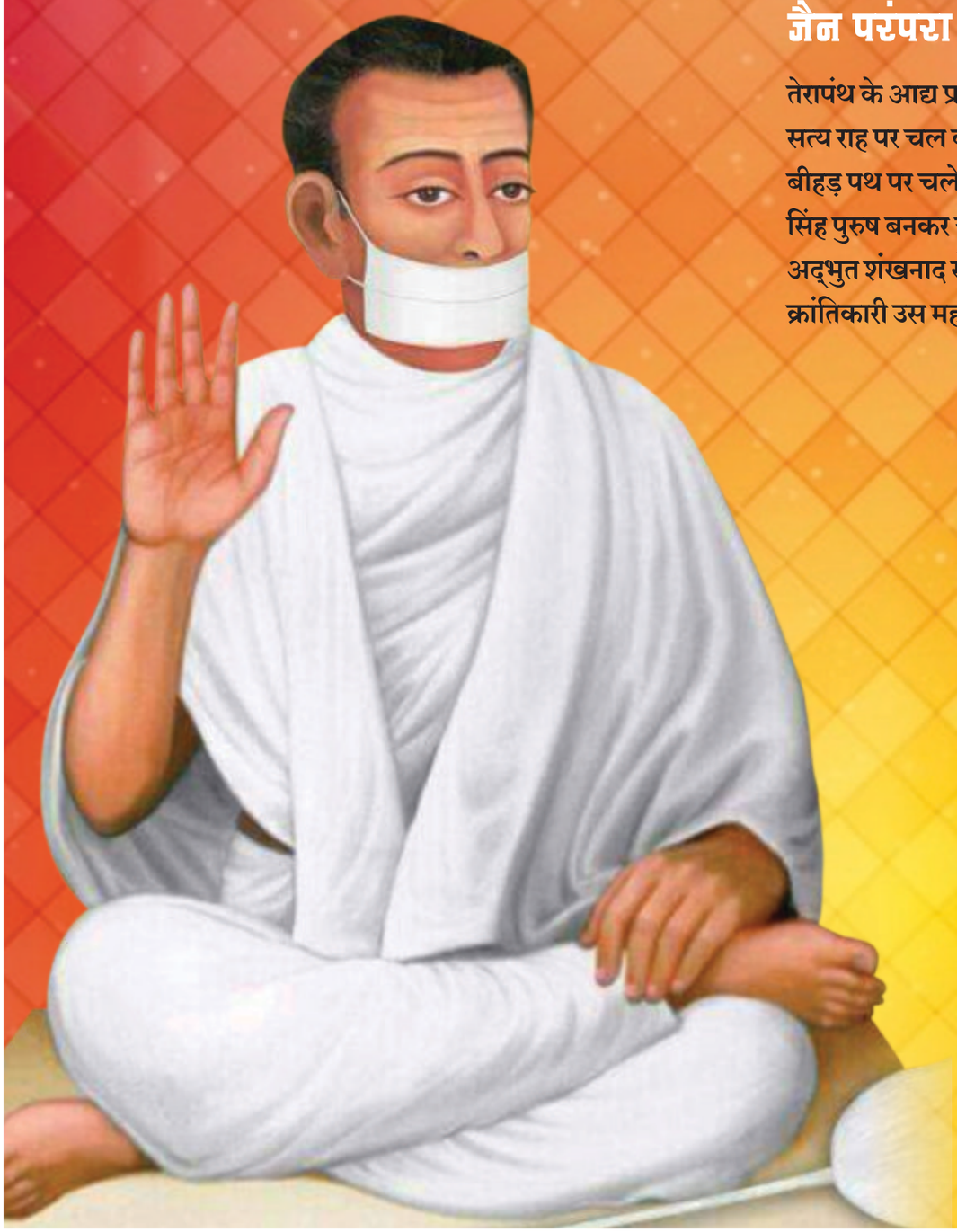

जैन परंपरा के महान आचार्य

तेरापंथ के आद्य प्रणेता मारवाड़ के हे मन्दार
सत्य राह पर चल कर बांटा दुनिया को आगम का सार।
बीहड़ पथ पर चले निरंतर घोर विरोधों से खेलें।
सिंह पुरुष बनकर जीवन में अनगिनत संकट थे झेले
अद्‌भुत शंखनाद से जिसने जागृत किया सकल संसार
क्रांतिकारी उस महामानव को श्रद्धासिक्त वंदन शत् बार।।

अमृतवाणी

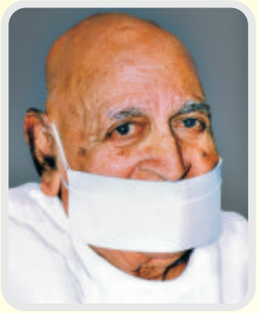

अपनी पीड़ा सह लेना और दूसरे जीवों को पीड़ा न पहुंचाना, यही तपस्या का स्वरूप है।

– आचार्यश्री तुलसी

Soul is my God. Renunciation is my Prayer. Amity is my Devotion. Self-Restraint is my Strength. Non-Violence is my Religion.

–आचार्यश्री महाप्रज्ञ

तप एक छोटा–सा शब्द है– दो अक्षरों का। इसकी शब्द रचना जितनी लघु है, इसका कार्य उतना ही महान है अणु से कई गुना शक्ति इसमें है। इससे अनंत–ज्ञान, अनंत–शक्ति, आत्मा का स्वरूप और परमात्म–पद प्राप्त किया जा सकता है।

–आचार्यश्री महाश्रमण

नारी को परमात्मा का सबसे बड़ा जादू कहा गया है, उसने समूचे संसार को अपनी मुट्ठी में बांध रखा है, ऐसी स्थिति में पारिवारिक सुख और शांति की पूरी जिम्मेवारी उसी पर आती है। इसके लिए अपेक्षित है समता की साधना, सापेक्ष सहयोग–भाव एवं आत्मविश्वास।

साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

मंगलमय हो बंगधरा पर गुरुवर का चातुर्मासिक प्रवेश।
बना रहे चहुँ ओर अनूठा आध्यात्मिक परिवेश।।

नमन

आचार्यश्री भिक्षु को श्रद्धासिक्त नमन

राग से वीतराग की ओर, भोग से त्याग की ओर
असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर

नश्वरता का एहसास व आत्मा में विश्वास रखने वाले महायोगी, महासंत आचार्य भिक्षु को उनके जन्म दिवस पर शत् शत् नमन व अभिनंदन।

मर्यादा का कवच पहनकर, सत्य के पथ पर आरूढ़ होकर, दुर्गम मंजिलों को पार कर तेरापंथ धर्म संघ का सृजन एक क्रांतिकारी वीर पुरुष ही कर सकता है।

उस क्रांतिकारी वीर योद्धा का नाम है- आचार्य भिक्षु
सत्य की कसौटी पर खरे उतरने वाले संत मसीहा का नाम है-आचार्य भिक्षु
कथनी और करनी में समानता रखने वाले दिव्य पुरुष का नाम है-आचार्य भिक्षु
अंधेरी ओरी में आध्यात्म की लौ जलाने वाले लौह पुरुष का नाम है-आचार्य भिक्षु
प्रतिकूल परिस्थितियों में हिमालय की तरह अडिग रहने वाले प्रबल पुरुषार्थी का नाम है-आचार्य भिक्षु
तेजस्वी व ओजस्वी व्यक्तित्व का नाम है-आचार्य भिक्षु
कोटि-कोटि वंदन व अभिनंदन- तेरापंथ धर्म संघ के उज्ज्वल नक्षत्र मर्यादा के आराधक-आचार्य भिक्षु को

उनके मंगलमय जन्मदिवस पर
श्रद्धावनत्
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

करबद्ध भावभरी अभिवंदना

हे महाश्रमणी, हे मातृहृदया!
अद्भुत तेरा ज्ञान ।
गजब है तेरी संघ निष्ठा,
तू है महिला जगत की शान।।

अध्यात्म की ओज से,
उजला व्यक्तित्व तुम्हारा।
त्याग समपर्ण से ओत प्रोत,
प्रबल पुरुषार्थ तुम्हारा।।
शौर्य स्वरूपा तेज शशि सी है
स्निग्धता,
शिखर सी ऊँचाई, सागर सी है गम्भीरता।
उज्ज्वल चारित्र और कुशल है अनुशासना,
तुम जियो हजारों साल हम करते हैं मंगल कामना।।

हे महाश्रमणी!
आप ज्ञान की गंगोत्री हो, सृजन का स्त्रोत हो,
नारी का गौरव हो, सरस्वती का शाश्वत रूप हो,
ममता की प्रतिमूर्ति हो, करूणा की कालिन्दी हो,
धर्म संघ की शान हो।।

आपके वात्सल्य रूपी निर्झर से महिला मंडल को सदैव सिंचन मिलता रहे। आपकी छत्र-छाया व स्नेहिल आशीर्वाद से इस वट वृक्ष की शाखायें पुष्पित व पल्लवित होती रहें- इन्हीं मंगल भावनाओं के साथ आपके दीक्षा दिवस व जन्म दिवस की अनन्त-अनन्त शुभकामनायें व श्रद्धासिक्त अभिवंदना।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

अभिवादन

श्रद्धासिक्त नमन

मेरी प्यारी कर्मठ बहनों,
सादर जय जिनेन्द्र!

पूज्य प्रवर के आगमन स्युं हुयो अनंत उजास।
स्वागतम्-स्वागतम् स्युं गूंज उठ्यो आकाश।।

साक्षी हैं हम बंगवासी इन स्वर्णिम पलों के

जिस तरह सूर्य रात के अंधेरे को निगलकर अपनी स्वर्णिम रश्मियों से पृथ्वी को रौशन करता है, उसी प्रकार हमारे धर्म-संघ के तेजस्वी व दैदीप्यमान महासूर्य आचार्य श्री महाश्रमणजी अपनी धवल सेना के साथ बंग धरा पर अहिंसात्मक व अध्यात्मिक आभा बिखेरते हुए जन-जन के जीवन को आलोकित कर रहे हैं। एक ओर जहां गंगा नदी पवित्रता का बोध कराती है, तो हमारे पूज्य प्रवर की ज्ञान गंगा का प्रवाह नशा मुक्ति से आत्म कल्याण का मार्ग प्रशस्त कराता है। जहाँ सावन में प्रकृति अपने पूर्ण उन्माद में रहती है, तो वहीं जप-तप की तेजस्विनी तरंगों व चारित्रात्माओं के सान्निध्य से सद्भावना का समाँ बंध जाता है। चंचल मन स्थिर हो जाता है। भावनायें शुद्ध हो जाती हैं। आत्मोत्थान का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। संयम की सुहास से वातावरण धार्मिक बन जाता है।

सुगंध के बिना फूल किस काम का।
प्रकाश के बिना दीप किस काम का।।
मानव जीवन में गर संयम की साधना न हो तो।
मनुष्य जीवन किस काम का।।

पूज्य प्रवर के मुखारविन्द से निकले अमृत वचन-**'कर्म के साथ धर्म को जोड़ें'** जीवन जीने की कला सिखाता है। पूज्य साध्वी प्रमुखाश्रीजी का वात्सल्य व संपोषण हमें संजीवनी प्रदान करता है। चारित्रात्माओं के दिशा बोध से हमें संबल प्राप्त होता है।

बहनों! हमें स्वर्णिम अवसर मिला है, परिग्रह चेतना व विषय वासना को सयंमित करने का, आधि, व्याधि और उपाधि से मुक्त होने का। अनुभव करना है-आत्मा के नैसर्गिक सौंदर्य का। पूर्ण समर्पण भाव के साथ कार्य करना है- कुशल कार्यकर्ता बनकर। माहौल को स्वच्छ व स्वस्थ बनाना है। साधना, सेवा व संस्कारों की पगडंडी पर चलकर स्वर्णिम चातुर्मास का परचम फहराना है। इसके लिए कर्त्तव्यों के प्रति जागरुक रहना होगा।

इन्ही अपेक्षाओं के साथ.....

आपकी अपनी

कल्पना बैद

कल्पना बैद
राष्ट्रीय अध्यक्ष

करणीय कार्य

महिला मंडल

जुलाई–2017

करणीय कार्य : भक्तामर स्तोत्र जाप

जुलाई महीने में चातुर्मास प्रारम्भ हो रहा है। चातुर्मास का समय अध्यात्म साधना का समय है। सभी क्षेत्रों में चारित्र आत्माएं चातुर्मासिक प्रवेश करेंगी। इस अवसर पर उनके मंगल प्रवेश व अलौकिक अभिनंदन हेतु फौलादी संकल्पों के साथ जप–तप की रंगोली से हम चारित्र आत्माओं का स्वागत करें, जिसमें संयम रूपी फूलों की सुवास हो।

बहनों! इस हेतु 1 से 7 जुलाई के बीच में सभी शाखा मंडल प्रात: 'भक्तामर स्तोत्र' का दो घंटे जाप करें।

अगस्त 2017

करणीय कार्य : धार्मिक अनुष्ठान

अगस्त माह में प्रारम्भ हो रहा है पर्युषण पर्व, जो आत्मशोधन का उत्कृष्ट महापर्व है, जिसमें व्यक्ति आत्मार्थी बनकर आध्यात्मिक आनन्द के शिखर पर आरोहण कर सकता है। पर्युषण पर्व ऐसा सवेरा है जो प्रमाद रूपी निद्रा को त्याग कर जागृत अवस्था में ले जाता है।

इस अवसर पर जप, तप, ध्यान, स्वाध्याय आदि आध्यात्मिक अनुष्ठानों के द्वारा आत्मशुद्धि का प्रयास करें तथा अधिक से अधिक बहनें इस पर्व की शुरुआत चन्दनबाला के तेले से करें। किये गये तेलों की संख्या महामंत्री कार्यालय में भेज दें।

विशेष निर्देश

- आपके क्षेत्र में अध्यक्षीय चुनाव का कार्यक्रम सानंद संपन्न हुआ होगा। कृपया सभी से विनम्र निवेदन है कि जल्दी से जल्दी चुनाव होने के तुरंत बाद नये अध्यक्ष एवं मंत्री का पता महामंत्री कार्यालय एवं अपनी क्षेत्रीय संयोजिका को लिखित भेजें।
- सभी शाखा मंडलों के पास रिपोर्ट का फॉरमेट पहुंच गया होगा, जिनके पास नहीं पहुंचा है वे महामंत्री कार्यालय में सूचित करें। जिन शाखा मंडलों ने जनवरी से जून तक के कार्यों की रिपोर्ट नहीं भेजी है वे शीघ्रातिशीघ्र रिपोर्ट महामंत्री कार्यालय में भेजने का प्रयास करें।

महामंत्री
श्रीमती सुमन नाहटा
जी/67, कीर्ति नगर, नयी दिल्ली–110 015
मोबाइल : 098188 54120 ईमेल : nahata67@gmail.com

करणीय कार्य

कन्या मंडल

संस्कारों की संवाहक–कन्याएं बने प्रभावक

प्रिय बेटियों,

सादर जय जिनेन्द्र!

दस्तक दे रहा है बीता कल, पर कह रहा है साथ साथ चल। राजदुलारियों के साथ काम करते–करते 2 वर्ष का कार्यकाल अब समापन की ओर है। जब कार्यभार संभाला तो लगा कैसे इस दायित्व को संभालूंगी? कैसे गुरु इंगित की अनुपालना में खरी उतरूंगी। पर सच कहा है–

जिसको मिले गुरु का आशीर्वाद
चीफ ट्रस्टी, राष्ट्रीय अध्यक्ष
महामंत्री का अनुभवी साथ
और पूरे देश की कन्याओं का विश्वास
तो फिर सफल होती है हर आस

आपके स्नेह, सत्कार, सहयोग एवं श्रम ने मुझे दिया दृढ़ विश्वास,

अपनत्व का अहसास और हम सब बढ़ चले पाने अध्यात्म का उजास।

बेटियों! ये याद रखना
जल्द मिलने वाली चीजें,
ज्यादा दिन नहीं चलतीं।
और जो ज्यादा दिन चलती हैं,
वो जल्द नहीं मिलतीं।।

अत: जीवन में ज्यादा दिन चलने वाली चीजों को अपनाना अर्थात सेवा, श्रद्धा, श्रम, समर्पण, समता आदि रत्नों से अपनी जीवन मंजुषा भरना। 25–26–27 जुलाई को 14वें राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन **'सामंजस्य'** में आप सबसे मुलाकात होगी, मन की बात होगी। आध्यात्म की रश्मियों से आपका जीवन आलोकित रहे– आप निरंतर विकास करें।

इसी शुभभावना के साथ.....

आपकी अपनी

पुखराज दीदी

कन्या मंडल अधिवेशन संयोजिका

श्रीमती ज्योति जैन	श्रीमती रमन पटावरी
+91 93398 78262	+91 99035 18222

आचार्य श्रीमहाश्रमण चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति
राजारहाट– कोलकाता

उत्कृष्ट कार्य

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के गौरव के क्षण सर्वोच्च महिला संस्थान

दिनांक 28 मई 2017 : अखिल भारतीय ओसवाल परिषद (बैंगलोर) द्वारा कोलकाता में रविवार को कला मंदिर में अपने 14वें सम्मान समारोह में धार्मिक, सामाजिक, शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में किये गये कार्यों के लिए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को 'सर्वोच्च महिला संस्थान' की उपाधि से सम्मानित किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की संरक्षिका ताराजी सुराणा, ट्रस्टी शांताजी पुगलिया, परामर्शक चम्पा देवीजी कोठारी, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य कमलाजी छाजेड़, गुलाबजी सुराणा, सायरजी कोठारी एवं मधुजी दुगड़ ने इस सम्मान को ग्रहण किया।

कन्या सुरक्षा सर्किल का उद्घाटन

गदग : दिनांक 12 जून 2017, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन पर महिला मंडल गदग ने आचार्य तुलसी के 21वें महाप्रयाण दिवस को दक्षिण भारत में कन्या सुरक्षा सर्किल का निर्माण कराया। राष्ट्रीय महामंत्री सुमनजी नाहटा द्वारा अपनी टीम के साथ जैन विधि आदि मंत्रोच्चार से विधिवत उद्घाटन किया। स्थानीय नगर परिषद के अध्यक्ष पीर साहब कोताल, प्रभु बुरबुरे, जैन समाज के अशोक जैन, मनोज बाफना, अखिल भारतीय तेरापंथ यूवक परिषद के पूर्व महामंत्री हनुमान लुंकड़, स्थानकवासी संघ से रूपचंद मालरेचा, एवं सिंधी समाज व गदग जैन समाज की अनेक महिला संगठनों के प्रतिनिधि तथा हुबली, कोपल, होसपेट, सिन्धनूर और रायचूर महिला मंडल की सदस्याएं व श्रद्धालुगण की अच्छी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में नगर परिषद के पार्षद जयश्री बेडवाल ने कन्या सुरक्षा सर्किल की शुभकामना देते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उपाध्यक्ष कुमुद कच्छारा एवं महामंत्री सुमन नाहटा ने योजनाओं पर चर्चा करते हुए दक्षिण भारत में बनी पहली सर्किल पर अध्यक्ष विमला देवीजी कोठारी के नेतृत्व में गदग महिला मंडल की सराहना की। कन्या सुरक्षा व कन्या विकास योजना प्रभारी वीणा बैद ने आचार्य महाश्रमण की अहिंसा यात्रा के विभिन्न उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। सरस्वती कोठारी, सभा मंत्री अमृत लाल कोठारी और महासभा सदस्य सुरेश कोठारी ने विचार प्रस्तुत किये। कन्या मंडल संयोजिका स्मृति कोठारी ने कुशल संचालन किया।

स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत अभियान – शौचालय उद्घाटन

लाडनूं : दिनांक 8 मई 2017 को तेरापंथ महिला मंडल लाडनूं द्वारा सूरजमल भूतोड़िया उच्च माध्यमिक विद्यालय में एक सुविधागृह का निर्माण किया गया, जिसका उद्घघाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद द्वारा किया गया। इस अवसर पर चीफ ट्रस्टी सायरजी बैंगानी एवं महामंत्री सुमनजी नाहटा व विशिष्ट अतिथि सोनाजी भूतोड़िया, ट्रस्टी सौभागजी बैद एवं कार्यकारिणी सदस्य सुनीताजी डूंगरवाल, पार्षद रेणुजी कोचर व अंजना शर्मा, अनिलजी चोरड़िया, पत्रकार अरविंद नाहर, तेरापंथी सभा के मंत्री शांतिलालजी बैद उपस्थित थे। स्थानीय संस्था की परामर्शक सुश्री डॉ. सुशीला बाफना ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के बढ़ते कदमों की सराहना की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत हो रहे कार्यों की जानकारी दी। ट्रस्टी सायरजी बैंगानी ने बच्चों को स्वच्छता हेतु विशेष रूप से प्रेरित किया। महामंत्री सुमनजी नाहटा ने महिला मंडल को धन्यवाद देते हुए बहनों का उत्साहवर्द्धन किया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती नीताजी चौहान, केन्द्रीय टीम से मिलकर अत्यंत प्रभावित हुईं। उन्होंने अपने विद्यालय में स्वच्छता हेतु आश्वासन दिया। उपाध्यक्ष राजश्रीजी भूतोड़िया ने आभार व्यक्त किया।

उत्तर हावड़ा : दिनांक 14 मई 2017 को उत्तर हावड़ा महिला मंडल ने बांधाघाट सलकिया में 4 सुविधागृह का निर्माण करवाया। 2 सुविधागृह वहां की एक बस्ती में बनवाये जिसमें 30 परिवार रहते हैं। 2 सुविधागृह वहीं पास में स्थित आदर्श विद्यालय स्कूल में बनवाये। अध्यक्ष बीनाजी भंसाली अपनी महिला मंडल टीम के साथ उन सभी स्कूलों में पहुंची जहाँ पहले 9 शौचालय बनवाये थे एवं उनकी साफ-सफाई पर ध्यान दिया और वहां के केयरटेकर को सफाई रखने की हिदायत दी। 4 बड़े पैकेट्स डस्टबिन डिस्पोजल दिये ताकि बच्चे डस्टबिन का प्रयोग करें कचरा उसी में गिराये। अभी तक 13 सुविधागृह का निर्माण करवाकर उत्तर हावड़ा महिला मंडल ने स्वच्छता की ओर कदम बढ़ाया है।

जयगाँव-भूटान : दिनांक 23 मई 2017 को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन मे स्वच्छ भारत अभियान के तहत टी गार्डन (हांसीमारा) में स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में 2 शौचालय का निर्माण करवाया गया। उद्घाटन महिला मंडल की बहनो द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से किया गया। स्कूल में लगभग 400 बच्चे है जिसमें एक भी टायलेट नही था। अध्यक्ष अंजूजी बोथरा ने अपनी टीम के साथ डस्टबिन, हारपीक,फिनाइल, टायलेट ब्रश,बाल्टी, मग सफाई के लिए दिये गये एवं सभी बच्चों मे बिस्कुट-टाफी वितरित किये। शौचालय निर्माण के लिए स्कूल के प्रधानाचार्य ने धन्यवाद देते हुए इस कार्य की काफी प्रशंसा की। इस कार्य मे मंडल की सभी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

संगठन यात्रा

संस्था का प्राण तत्व है- संगठन यात्रा। छोटे-छोटे क्षेत्र जहां चारित्र आत्माओं के चातुर्मास नहीं होते, समणी वर्ग भी कभी कभार पहुंचते हैं, ऐसे क्षेत्र भी सक्रियता से संघीय प्रवृत्तियों को संचालित कर रहे हैं। ज्ञानशाला, रास्ते की सेवा एवं शनिवार की सामायिक गोष्ठी उनकी अध्यात्म चेतना को ऊर्ध्वगामी बना रही है। हर क्षेत्र के लिए प्रेरणा एवं प्रोत्साहन का संचार करने वाली संगठन यात्राओं का विवरण इस प्रकार है-

बंगलोर-कर्नाटक

यात्रा प्रभारी : **महामंत्री सुमन नाहटा, उपाध्यक्ष कुमुद कच्छारा**

कार्यकारिणी सदस्य : **वीणाजी बैद, सुमन लुनिया**

कार्यशाला : **सशक्तिकरण**

कावेरी के पवित्र जल से सिंचित पुष्पों की सुगंध से सुवासित, कॉफी प्लांट्स के लिए मशहूर कर्नाटक की उर्वर धरा पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की 5 दिवसीय संगठन यात्रा शाखा मंडलों एवं उपाध्यक्ष कुमुदजी कच्छारा, महामंत्री सुमनजी नाहटा, पूर्व महामंत्री वीणाजी बैद, कार्यसमिति सदस्य सुमनजी लूणिया व कान्ता दफ्तरी के साथ बंगलोर से कर्नाटक की यात्रा का शुभारंभ हुआ।

विजय नगर : अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की नव गठित शाखा विजयनगर तेरापंथ महिला मंडल में सशक्तिकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्था की उपाध्यक्षा श्रीमती कुमुद कच्छारा ने मुनि श्री सुव्रतकुमारजी की पावन सान्निध्य में नव मनोनीत अध्यक्ष सरोजजी टांटिया को शपथ ग्रहण करवायी। इस अवसर पर जय तुलसी फाउण्डेशन के अध्यक्ष हीरालाल जी मालू, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के महामंत्री श्री विमल कटारिया, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की पूर्व महामंत्री बीणा बैद, सभाध्यक्ष धनराज जी टांटिया व मंत्री राजेश चावट तथा बंगलोर महिला मंडल के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुनि श्री जी ने गुरुदेव तुलसी को याद करते हुए बहनों को गुरु इंगित को सर्वोपरि मानते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। उपाध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने बहनों से संस्थागत कार्यक्रमों को निष्पादित करने के विषय में चर्चा की। संचालन मंडल की उपाध्यक्ष कुमुद डांगी ने किया। आभार सहमंत्री ऊषा चिण्डालिया ने किया।

गांधीनगर : गांधीनगर बंगलोर में इस वर्ष In aid of Swachh Bharat Abhiyan 'श्री उत्सव' का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन महामंत्री सुमनजी नाहटा द्वारा उपाध्यक्ष कुमुद कच्छारा एवं महापौर, एरिया कार्पोरेटर सहित अनेकों गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। बंगलोर महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती निर्मला सोलंकी ने स्वागत वक्तव्य के साथ ये जानकारी दी कि 10 बैनर, 30 पोस्टर, 2000 पम्प्लेट्स व संवाद पत्र में विज्ञापन व नये चैनल पर वीडियो न्यूज द्वारा स्वच्छता अभियान का प्रचार किया गया साथ ही 2000 डस्टबिन घर-घर रखवाने की योजना का शुभारंभ भी किया गया। मेयर ने अपने संदेश द्वारा महिला मण्डल को पूर्ण सहयोग देने की बात कही एवं कार्पोटर श्रीमती लीला शिव कुमार ने जल्द ही कन्या सुरक्षा सर्किल हेतु स्थान उपलब्ध कराने की सहमति प्रदान की।

ऋजु डूंगरवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद के शुभकामना संदेश का वाचन किया। घर के आसपास मोहल्ले को स्वच्छ रखने हेतु नाटिका का मंचन किया व मंच पर प्रदर्शनी भी लगायी गयी। महामंत्री सुमनजी नाहटा ने कहा कि महिलाओं ने एक ऊंची उड़ान भरी है। उन्होंने इस सफल आयोजन की बधाई देकर सबका उत्साहवर्द्धन किया। उपाध्यक्ष कुमुदजी कच्छारा ने श्री उत्सव को महिला सशक्तिकरण की एक सशक्त आवाज बताया। पूर्व महामंत्री वीणा बैद ने पदाधिकारी बहनों का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक श्री नरपत जी चोरड़िया (ओसवाल परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष) व मांगी लालजी मनीष जी छाजेड़ ने महिला के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यकारिणी सदस्य कांताजी दफ्तरी एवं सुमन जी लूणिया भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का सफल संचालन अनिता गांधी द्वारा किया गया। राष्ट्रीय कार्यसमिति ने कोरमंगला जाकर साध्वीश्री विद्यावतीजी के दर्शन सेवा का लाभ लिया।

संगठन यात्रा

शांतिनगर : अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वधान में साध्वीश्री कंचन प्रभाजी के पावन सान्निधय में 'सशक्तिकरण' संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में बहनें उपस्थित थीं। केन्द्रीय संस्था की बहिनों को अपने बीच पाकर बहनों में नवीन उत्साह देखने को मिला। साध्वीश्री ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा– महाश्रमणी जी के सपनों को साकार करना ही हम महिलाओं की अस्मिता की ऊंची उड़ान है। साध्वीश्री मंजू रेखाजी ने महिलाओं के ऊंचे उठते कर्तृत्व को देखकर सात्विक गौरव की अनुभूति की। स्थानीय संयोजक श्री घोषलजी ने महिलाओं की आध्यात्मिक गतिशीलता एवं जागरुकता की प्रशंसा की। पुष्पा जी चोरड़िया ने क्षेत्रीय गतिविधियों की जानकारी दी। पूर्व महामंत्री वीणा जी बैद ने संगठनात्मक शक्ति संवर्द्धन के सूत्रों पर प्रकाश डालते हुए नि:स्वार्थ चेतना के विकास के साथ महिलाओं को एक दूसरे की ताकत बनने की बात कही। महामंत्री सुमन नाहटा ने संगठन यात्रा के उद्देश्य ही हैं बहिनों से रूबरू होना व उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करना तथा संस्थागत विकास को संपोषित करना। उपाध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने शांति नगर की महिला शक्ति की गुणवत्ता से भरपूर कार्य क्षमता की प्रशंसा की। इस अवसर पर कांताजी दफ्तरी, सुमनजी लुणिया एवं सुमनजी मालू भी उपस्थित थीं। अनिता गांधी ने कुशल संचालन किया।

मैसूर : अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में मुनिश्री रंजीतकुमार जी के पावन सान्निध्य में मैसूर महिला मण्डल द्वारा आंचलिक कार्यशाला का बहुत ही सुन्दर व व्यवस्थित ढंग से आयोजन किया गया। स्वागत भाषण अध्यक्ष प्रेमाजी गुगलियी ने दिया। मंत्री इंदु जी पितलिया ने साध्वी प्रमुखाश्री जी के संदेश का वाचन किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुमुद जी कच्छारा ने चारो योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। महामंत्री सुमन जी नाहटा ने नारी को कैसे सशक्त बनना चाहिए व साथ-साथ नारी में शालीनता भी होनी चाहिए। श्रीरंगा पटना,चमराजनगर, हुनसूर, नंजनगुड़, केजीएफ, मंगलोर एवं मांडिया महिला मंडल कार्यशाला में उपस्थित थे। पूर्व मंत्री वीणा जी बैद ने कन्या सुरक्षा सर्कल के बारे में जानकारी दी। आभार मंत्री इंदु जी पितलिया ने किया एवं मंच का कुशल संचालन कन्या मंडल ने किया। मांडिया अध्यक्ष किरणजी भतेवरा व मंत्री नमिता भंसाली मांडिया ने क्रमशः 1100 रुपये का अनुदान दिया।

कोपल एवं गंगावती : साध्वीश्री सुदर्शनाश्रीजी आदि के सान्निध्य में आचार्य तुलसी की 21वीं पुण्यतिथि मनाई एवं महिला सशक्तिकरण कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वीश्री ने जाप से की। साध्वीश्रीजी ने गुरुदेव तुलसी व नारी सशक्तिकरण के बारे में उद्बोधन दिया। राष्ट्रिय कार्यकारिणी सुमनजी लुणिया ने साध्वी प्रमुखा कनक प्रभाजी का संदेश वाचन किया। कोपल महिला मंडल ने तुलसी अष्टकम का संगान किया। राष्ट्रीय महामंत्री सुमनजी नाहटा ने कहा आज हम जिस जगह पर खड़े हैं वो गुरुदेव तुलसी की ही देन है। संस्था की चारों योजनाओं पर प्रकाश डाला। उपाध्यक्ष कुमुदजी कच्छारा ने भी नारी सशक्तिकरण के बारे में हमें बहुत ही सुन्दर भाषा में समझाया। कोपल सभा के मंत्री राजेन्द्रजी पीरावला व गंगावती से अजीतजी सुराणा ने भी अपने विचार रखे। कोपल व गंगावती महिला मंडल ने गुरुदेव तुलसी पर गीतिका गायी। कोपल व गंगावती कन्या मंडल ने गुरुदेव तुलसी पर बहुत ही सुन्दर लघु नाटिका प्रस्तुत की। दहेज पर एक सुन्दर कविता की प्रस्तुति दी।

अधिवेशन

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 42वां वार्षिक अधिवेशन

10, 11, 12 व 13 सितम्बर 2017, राजारहाट, कोलकाता

श्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का आगामी त्रिदिवसीय वार्षिक अधिवेशन 10, 11, 12 एवं 13 सितंबर 2017 को कोलकाता-राजारहाट में होना निश्चित हुआ है। सभी शाखा मंडल सादर आमंत्रित हैं। रजिस्ट्रेशन 10 सितंबर को प्रात: 8.00 बजे राजारहाट में शुरू हो जाएगा। 10 सितंबर को संध्या में स्वागत व परिचय सत्र का आयोजन किया जाएगा। अत: सभी शाखा मंडलों से निवेदन है कि यथासंभव परिचय सत्र में शामिल हों। सभी शाखा मंडल समय से पूर्व पहुंचे। दिनांक 12 सितंबर को साधारण सभा का आयोजन होगा। कृपया आने के बाद आवास कार्यालय में संपर्क करें।

- अधिवेशन में शाखा मंडल से 5 सदस्य शामिल हों यथासंभव वर्तमान व पूर्व अध्यक्ष, वर्तमान व पूर्व मंत्री, एवं युवा कार्यकर्ता इस अधिवेशन में शामिल हों।
- अधिवेशन के दौरान गणवेश पहनना अनिवार्य है।
- आभूषण व कीमती सामान की सुरक्षा की जिम्मेवारी आपकी होगी। कृपया संयम का परिचय दें।
- ओढ़ने-बिछाने के वस्त्र व आसन और मुख वस्त्रिका साथ में लेकर आएं।
- अधिवेशन के दौरान रात्रि भोजन की व्यवस्था नहीं होगी। अत: शाखा मंडल सूर्यास्त के बाद पहुंचते हैं तो भोजन की व्यवस्था उनकी अपनी होगी।
- सामान उतना ही लायें, जितना स्वयं उठा सकें।
- अपना मान्यता पत्र साथ में लायें। रजिस्ट्रेशन शुल्क प्रत्येक प्रतिनिधि के लिए 500 रुपये रखा गया है।

विशेष : ध्यान दें अधिवेशन में आने वाली बहनें अपने आने की स्वीकृति महामंत्री कार्यालय में शीघ्र प्रेषित करें। अन्य जानकारियों के लिए संपर्क करें।

सम्पर्क सूत्र

शोभा दुगड़ **+91 98313 00006**	**मधु दुगड़** **+91 98311 31111**
सायर कोठारी **+91 98362 41916**	**कमला छाजेड़** **+91 98315 78294**

आचार्य श्रीमहाश्रमण चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति
राजारहाट- कोलकाता

अधिवेशन के लिए आवश्यक सूचना

मई माह के करणीय कार्य में महाश्रमण अष्टकम को कलापूर्ण तरीके से लिखकर जो आपने Wall hanging, Photo Frame एवं Show piece बनाये थे प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेता अपनी कलाकृति अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के महिला अधिवेशन में प्रदर्शनी के लिए अपने साथ अवश्य लायें।

कार्यशाला

फिजियोथेरेपी सेंटर– नव निमार्ण (लाडनूं)

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का लाडनूं में फिजियोथिरेपी सेंटर सुचारू रूप से चल रहा है। वहां विराजित साधु–साध्वियाँ, वहां के प्रवासी तथा आसपास के गांवों में रहने वाले लोग इससे लाभान्वित हो रहे हैं। सेन्टर की उपयोगिता को देखते हुए इसके विस्तार के लिये नये भवन के निर्माण का उद्घाटन जैन विश्व भारती परिसर में रोहिणी भवन के परिपार्श्व में 8 मई, 2017 को भूमि पूजन जैन संस्कार विधि से किया गया। निर्माण का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। हमारे सभी शाखा मंडल हमारी ताकत है। गुरूदेव के आशिर्वाद व आप सभी शाखा मंडल के शुमकामनाओं से यह कार्य हम सुव्यवस्थित व समयबद्ध तरीके से संपन्न करेंगे।

3, 00, 000/– : तेरापंथ महिला मंडल, सूरत।

3, 00, 000/– : तेरापंथ महिला मंडल, बंगलोर।

2, 50,000/– : तेरापंथ महिला मंडल, अहमदाबाद।

संयोजिका

बिमला दुगड़
+91 93145 17737

प्रभा घोड़ावत
+91 93021 01268

जैन स्कॉलर

जैन स्कॉलर योजना के द्वितीय सत्र की चतुर्थ कार्यशाला का आयोजन आगामी 2 नवम्बर, 2017 गुरुवार से 13 नवम्बर, 2017 सोमवार तक जैन विश्व भारती लाडनूं 'रोहिणी' में किया जायेगा। सभी संभागीगण 2 नवम्बर तक अवश्य पहुँच जाए। परीक्षा का आयोजन 2 नवम्बर की संध्या और 3 नवम्बर को किया जायेगा तथा 4 से 13 नवम्बर तक कक्षाएं चलेंगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए कृपया आप सभी अपने आगमन एवं प्रस्थान का कार्यक्रम निर्धारित करें।

संयोजिका

कुमुद कच्छारा
+91 98332 37907

पुष्पा बैद
+91 93141 94215

प्रशिक्षण शिविर

तत्वज्ञान/ तेरापंथ दर्शन प्रशिक्षण शिविर
7–8 सितंबर को राजारहाट–कोलकाता में

सूचित किया जाता है कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आचार्य महाश्रमणजी के सान्निध्य में 7–8 सितम्बर को तत्वज्ञान तेरापंथ दर्शन की परीक्षार्थियों की कार्यशाला आयोजित की जा रही है। जिसके अंतर्गत

- तेरापंथ दर्शन के 5वें वर्ष की परीक्षाएं होंगी।
- तत्वज्ञान के 6ठवें वर्ष की परिक्षाएं होंगी।
- शिविरार्थी शुल्क प्रत्येक व्यक्ति 200/– रुपये होगा।
- विधार्थियों को विषय से संबंधित प्रशिक्षण दिया जायेगा।
- आचार्य महाश्रमणजी का विशेष उद्धबोधन प्राप्त होगा।

कृपया परीक्षार्थी 7 सितंबर को ही पहुंचे। कार्यशाला का प्रारम्भ लगभग 1.30 बजे होगा। कार्यक्रम का समापन 9 सितम्बर को होगा। वापसी हेतु प्रात: 9 सितंबर की टिकट करवायें। आने से पूर्व सूचित करें। आवास की व्यवस्थाएं कोलकाता–राजारहाट में होंगी। कृपया अपने ओढ़ने–बिछाने के वस्त्र व धार्मिक उपकरण साथ लायें।

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत चारित्रात्माओं हेतु तत्वज्ञान पाठ्यक्रम की परीक्षा 10 व 12 अगस्त,2017 को मध्यान्ह 1 बजे से आयोजित की जायेगी। चारित्रात्माओं को निवेदन कर सुचित करें। सूचना व अन्य जानकारी हेतु सम्पर्क सूत्र –

पुष्पा बैंगानी, राष्ट्रीय संयोजिका **+91 93112 50290**	**मंजु भूतोड़िया,** उपसंयोजिका **+91 93121 73434**
रंजू लूणिया **+91 94361 03330**	**गुलाब सुराणा** **+91 98360 91111**

आचार्य श्रीमहाश्रमण चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति, राजारहाट– कोलकाता

रास्ते की सेवा– 'भावना'

गुरु के विहार के समय रास्ते की सेवा करना भी उत्कृष्ट निर्जरा का हेतु है। देव, गुरु व धर्म की असीम अनुकम्पा से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की रास्ते की सेवा का उपक्रम बड़े ही सुचारू रूप से 4 जून, 2017 तकचला एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। इस उपक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद एवं महामंत्री सुमनजी नाहटा ने समय–समय पर सार–सम्भाल कर इसे गतिशील रखा। कार्यकारिणी सदस्य शोभाजी दुगड़, शशिजी बोहरा एवं सज्जनजी पारख ने रास्ते की सेवा की जिम्मेदारी पूरी तन्मयता के साथ संभाली। सेवा करने वाली बहनें श्रद्धा, निष्ठा व जागरूकता का परिचय देती हुई अनवरत सहयोग कर रही थी, यह हमारे लिए गौरव की बात है। लगभग 50 क्षेत्रों से 400 से अधिक महिलाओं ने रास्ते की सेवा में अपनी सेवाएं देकर धर्म लाभ लिया। इन सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की तरफ से हार्दिक साधुवाद एवं शुभकामनाएं।

कार्यप्रणाली

आओं करें हमारी संस्था का सुन्दर संचालन

1. मंडल के पदाधिकारियों की संख्या कम से कम 4 व अधिक से अधिक 9 हो सकती है। मंडल के पदाधिकारी निम्न होते हैं–

   • अध्यक्ष • उपाध्यक्ष (2) • मंत्री • उपमंत्री (2) • कोषाध्यक्ष • प्रचार–प्रसार मंत्री

   आवश्यकतानुसार इन पदाधिकारियों की संख्या में कमी या वृद्धि हो जाती है। जैसे जिस मंडल में 13 से 20 तक ही सदस्य हैं वहां चार पद ही बहुत है। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, एक मंत्री व कोषाध्यक्ष।

2. मंडल में अध्यक्षीय प्रणाली होने के कारण अध्यक्ष का चुनाव महत्वपूर्ण है। अध्यक्ष का चुनाव साधारण सदन में किया जाता है जिसमें मंडल के प्रत्येक सदस्य को मत देने का अधिकार होता है। सर्वप्रथम कार्यसमिति बैठक में साधारण सदन की बैठक की दिनांक व चुनाव का समय निश्चित किया जाता है। कार्यसमिति द्वारा एक चुनाव अधिकारी की नियुक्ति की जाती है जो संस्था का वरिष्ठ हो तथा संविधान के प्रावधानों का जानकार हो। कम से कम 15 दिन पूर्व चुनाव की सूचना मय तारीख, स्थान, समय एवं चुनाव अधिकारी के नामोल्लेख के साथ सर्कुलर या अन्य माध्यम से सभी सदस्यों को दी जाती है।

   अध्यक्ष के चुनाव से संबंधित प्रस्ताव मय समर्थन की सूचना में उल्लेखित तारीख तक कार्यालय में पहुंचना जरूरी है। अध्यक्ष ने नामांकन प्रस्ताव में प्रस्तावक मंडल एवं अनुमोदक मंडल के हस्ताक्षर के साथ–साथ उम्मीदवार की स्वीकृति के हस्ताक्षर अनिवार्य है। चुनाव बैठक में उम्मीदवार की उपस्थिति अनिवार्य है।

   अध्यक्ष पद का उम्मीदवार वही वरिष्ठ सदस्य बन सकता है जो कार्यसमिति का सक्रिय सदस्य रह चुका हो। यदि अध्यक्ष पद के संबंध में निर्धारित दिनांक तक किसी का नाम का प्रस्ताव नहीं आया हो तो निर्वाचन अधिकारी को अधिकार होगा कि वह चालू बैठक में अध्यक्ष पद के लिये नाम का प्रस्ताव मांग ले और चुनाव (मनाव) करा दे। अध्यक्ष का चुनाव यथा संभव सर्वसम्मति (मनाव) अथवा बहुमत के आधार पर होगा। उम्मीदवार अपना नाम चुनाव के पूर्व तक वापस ले सकेगा। किसी कारणवश अध्यक्ष के चुनाव के लिये यदि मतदान की आवश्यकता हुई तो चुनाव गुप्त मतदान प्रणाली से कराया जायेगा। मतदान के समय केवल मंडल के सदस्यों की ही उपस्थिति होगी और वे ही मत की अधिकारी होगी।

   अध्यक्ष व कार्यकाल दो वर्ष का होगा। अध्यक्ष पद पर एक व्यक्ति लगातार दो कार्यकाल से अधिक नहीं रह सकेगा।

3. अध्यक्ष के अधिकार व कर्त्तव्य–

   - मंडल के साधारण सदन एवं कार्यसमिति की बैठकों की अध्यक्षता करना।
   - विधान के नियमों की व्याख्या करना, निर्णय देना तथा वैधानिक आपत्तियां निपटाना।
   - पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति के सदस्यों को मनोनीत करना। लेकिन एक बार मनोनीत करने के बाद उसकी अवधि के बीच अध्यक्ष द्वारा उन्हें हटाया नहीं जा सकेगा। यह अधिकार कार्यसमिति के पास रहेगा।
   - किसी बैठकमें समान मत आने पर निर्णायक मत देना।
   - किसी विशेष परिस्थिति आने पर पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्यों से त्यागपत्र मांगना एवं कार्यसमिति को विचारार्थ प्रेषित करना तथा लिए गए निर्णय को क्रियान्वित देना।
   - विभाग व समितियों की अध्यक्षता करना।
   - बजट के उपरान्त 5 हजार रुपये तक आकस्मिक व्यय करना। कार्यसमिति इस राशि को घटा–बढ़ा सकती है।

   अन्य पदाधिकारी के अधिकार एवं कर्त्तव्य संविधान से प्राप्त करें।

4. मंडल के कार्यों को विशिष्टता के साथ संचालन हेतु समय–समय पर उपसमितियों व विभागों का गठन किया जाता है। उपसमिति व विभागों की अधिकतम अवधि आलोच्य कार्यकाल तक रहती है। अध्यक्ष व मंत्री इनके पदेन सदस्य होते हैं। उपसमिति एवं विभाग के संयोजक का मनोनयन अध्यक्ष द्वारा होता है। शेष सदस्यों का मनोनयन संयोजक, अध्यक्ष की स्वीकृति से करते हैं। विभाग व उपसमिति का गठन कार्यसमिति द्वारा पारित निर्णय होने पर अध्यक्ष द्वारा किया जाता है।

   संयोजक का चयन वर्तमान मण्डल के सदस्यों में से किया जाना आवश्यक है। आवश्यकतानुसार कन्या मंडल का गठन होगा। कन्या मंडल की संरक्षिका, संयोजिका कार्यसमिति की पदेन सदस्य होगी।

कार्यप्रणाली

5. कार्यसमिति का मनोयन अध्यक्षीय चुनावी होने के बाद 30 दिनों के भीतर अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष, पूर्वाध्यक्ष एवं वरिष्ठ सदस्यों के परामर्श से कार्यसमिति का मनोनयन करता है।

   कार्यसमिति के सदस्य वर्तमान मण्डल के सदस्य मनोनीत हो सकता है। यह कार्यवाही एक माह के भीतर होती है तथा उसके पश्चात शपथ ग्रहण करवायी जाती है। कार्यमिति में कुछ स्थान रिक्त रखने का अधिकार सिर्म अध्यक्ष को है। कोई स्थान रिक्त होने पर भी कार्यसमिति पूर्णतया गठित मानी जायेगी।

6. कार्यकाल दो वर्ष का होता है। किसी परिस्थितिवश अध्यक्ष का पद बीच में ही रिक्त होने पर कार्यसमिति भंग मानी जायेगी।

7. कार्यसमिति की कार्यप्रणाली– कार्यसमिति की बैठक वर्ष में कम से कम छह तथा अधिक से अधिक 13 बैठकें बुलाई जा सकती है। बैठक की सूचना 24 घंटे पूर्व दी जायेगी। सूचना में दिनांक, समय, स्थान व कार्य सूची अंकित की जायेगी। लिखित सूचना सदस्यों के पते पर डाक या संदेश वाहक द्वारा भेजी जायेगी अथवा फोन द्वारा दी जायेगी। बैठक में किस विषय पर विचार–विमर्श होगा उसका एजेंडा साथ में प्रेषित किया जायेगा एवं रजिस्टर में लिखा जायेगा।बैठक की कार्यवाही मंत्री द्वारा रजिस्टर में लिखी जायेगी। जो अगली बैठक में पढ़कर सुनायी जायेगी एवं स्वीकृति की जायेगी। कार्यसमिति की स्वीकृति के पश्चात ही कार्यवाही रजिस्टर (मिनिट बुक) में अध्यक्ष व मंत्री हस्ताक्षर करेंगे। एजेंडा रजिस्टर में सभी कार्यसमिति सदस्यों के हस्ताक्षर होंगे। आपातकालीन अथवा तत्कालीन आवश्यकता होने पर कार्यसमिति की बैठक 12 घंटे की सूचना में बुलाई जा सकेगी।

8. किसी भी मंडल में कार्यसमिति सदस्यों की संख्या मंडल के साधारण सदस्यों की संख्या के अनुपात में निम्नलिखित संख्या सूची के अनुरूप होनी चाहिये।

स्थानीय मंडल की साधारण सदस्य संख्या	कार्यसमिति सदस्य संख्या
13 से 24 सदस्य	6 (अध्यक्ष सहित)
25 से 50 सदस्य	7 (अध्यक्ष के अलावा)
51 से 100 (सदस्य)	11 से 13 (अध्यक्ष के अलावा)
101 से 200 सदस्य	15 से 17 (अध्यक्ष के अलावा)
201 से 300 सदस्य	21 (अध्यक्ष के अलावा)
301 से 500 सदस्य	25 से 31 (अध्यक्ष के अलावा)
500 से अधिक संख्या	41 (अध्यक्ष के अलावा)

9. यसंस्था के सुव्यवस्थित संचालन हेतु संस्था के कार्यालय को व्यवस्थित करने हेतु निम्न बातों पर ध्यान देना आवश्यक है– संस्था का एक स्थायी कार्यालय होना आवश्यक है, जहां पर सभी डाक्यूमेंट्स(जरूरी कागजात) सुरक्षित रह सके। संस्था का संविधान, मान्यता पत्र एवं सातों रजिस्टर व्यवस्थित रहने आवश्यक है। इनके अतिरिक्त केन्द्रीय मंडल से किये गये पत्र व्यवहार के पत्र व प्रतिलिपि की फाईल, आय–व्यय के बिल–वाउचर, रसीद, मासिक पत्र नारीलोक की फाईल, वार्षिक रिपोर्ट की कापी एवं अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के अधिवेशन का वार्षिक प्रतिवेदन की एक कापी कार्यालय में सुरक्षित रहनी चाहिये। योजनाओं हेतु मंडल द्वारा किये गये प्रचार–प्रसार सामग्री जैसे पम्पलेट आदि की एक कापी हमेशा सुरक्षित रहे। संस्था के सभी रजिस्टर अपटूडेट रहे। अध्यक्ष व मंत्री सदस्यों के सहयोग से कार्यालय का रख–रखाव करे। केन्द्र व अन्य संस्थाओं से प्राप्त शील्ड व सम्मान पत्र का वहां संकलन रहे। सूचनाबोर्ड पर हर माह की सूचनाएं लिखी जाये।

10. राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशन में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों को क्षेत्रीय महिला मंडलों के सार–संभाल का दायित्व दिया जाता है। हर माह फोन से सम्पर्क द्वारा अथवा अध्यक्ष के निर्देश पर वे स्थानीय मंडलों में संगठन यात्रा कर शाखा सार–संभाल का दायित्व निर्वहन करते हैं। जब भी संगठन यात्रा के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष/महामंत्री अथवा केन्द्रीय पदाधिकारीगण आपके क्षेत्र में पहुंचे तो आपको निम्न बातों का ध्यान रखना आवश्यक है–

    उनके सान्निध्य में की गई बैठक में आपके मंडल के अधिक से अधिक कार्यसमिति सदस्य व साधारण सदस्य उपस्थित हो। आपके सभी रजिस्टर, फाईल व आवश्यक कागजात वहां उपलब्ध हो। आपके मंडल की गतिविधियों का सही विवरण दिया जाये। मंडल में किसी भी प्रकार की समस्या हो तो उन्हें अवश्य बताये। उनके आवास व भोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था आपकी होगी।

नियम

नियमोपनियम

1. महिला मण्डल के हर सदस्य को देव गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा हो।
2. अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में सम्पूर्ण कार्य सम्पादित हों।
3. शनिवार को सामायिक प्रत्येक सदस्य करें।
4. गणवेश की गरिमा के प्रति पूर्ण जागरुक रहें।
5. संविधान की पूर्ण जानकारी हर सदस्य को रहे।
6. मण्डल के आय-व्यय का ब्यौरा व्यस्थित एवं पारदर्शी रखें।
7. कन्या मण्डल के कार्य महिला मण्डल की जानकारी में ही सम्पादित हो। प्रत्येक महिला मंडल अपने कन्या मंडल को पूर्ण सहयोग दें।
8. फार्मेट भरते समय पूर्ण प्रामाणिकता का परिचय दें।
9. संघीय एवं महिला मंडल में केवल गणवेश का उपयोग हो। चाहे मंगलाचरण हो या प्रवेश हो।
10. महिला मंडल के कार्यक्रमों में 13 व्यंजन से ज्यादा ना हो एवं जमीकद वर्जित है।
11. महिला मंडल के नीचे किसी की अन्य संस्था का गठन ना हो (केवल विभाग बना सकते हैं)
12. युवती मंडल स्वतंत्र संस्था नहीं है, अत: युवती मण्डल के बैनर का प्रयोग वर्जित है।
13. संघीय एवं महिला मंडल के कार्यक्रम में शालीनता रखें। कार्यक्रम की मर्यादा का पूर्ण ध्यान रखा जाए।
14. शाखा मण्डल अपना वार्षिक प्रतिवेदन पुस्तक या पत्रिका के रूप में प्रिंट ना करवाये।
15. पिकनिक शालीनता के साथ आपसी स्नेह, सौहार्द, संवर्द्धन हेतु करें। इसमें केन्द्र के द्वारा निर्देशित या क्षेत्रीय महिला मंडल के कार्यों को संपादित न करें, इसका विशेष ध्यान रखें।

ज्ञान ज्योति प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता–20

(संदर्भ ग्रन्थ– आचार्य महाश्रमण रचित 'धम्मो मंगल मुक्किठं, पेज– 212–254)

अन्त्याक्षरी : प्रत्येक उत्तर पहले उत्तर के अन्तिम अक्षर से शुरू करें।

1. जैन जीवन शैली के नौ सूत्रों में से एक है.....।
2. स्वामी भीखणजी के समय साधुओं के..... की कोई निश्चित व्यवस्था नहीं थी।
3. कालू..... में यत्र–तत्र विकिर्ण–तत्व–मुक्ताओं का प्राचुर्य है।
4. ..... हेत।
5. तेरहवीं..... में आचार्य श्री ने निक्षेपवाद का स्पर्श किया है।
6. असंयमी प्राणी के जीने की..... सावध अनुकम्पा है।
7. 20 अक्टूबर 1914 को एक शिशु ने लाडनूं, जिला ..... में जन्म लिया।
8. है .....।
9. उनकी दृष्टि में वह..... प्रबंध का उचित अवसर नहीं था।
10. अहो! ..... प्रभु तूं सही।
11. उनके जीवन में श्रुत के बाहुल्य और श्रद्धा की..... का कमनीय योग था।
12. मेरा अश्व उन्मार्ग को नहीं जाता, ... में ही चलता है।
13. न मे.....उम्मग्गं, मग्गं च पडिवज्जई।
14. अष्ट..... ऊपरै, अष्ट महागुण ठाण।
15. तो ..... जनहित जड्यो,क्यूं शिवगमन कपाट?
16. शुभयोग की प्रवृत्ति के दो कारण है– मोहकर्म का विलय तथा..... कर्म का उदय।
17. जहा य किंपाकफला.....।
18. ..... एकाग्रता के विकास में त्राटक अथवा अनिमेष प्रेक्षा का प्रयोग बहुत सहायक होता है।
19. ..... व्यक्ति क्रोध से छुटकारा पा लेता है।
20. इसकी महत्ता और..... जन्म और मृत्यु को भी प्रभावित करती है।
21. उनके..... ग्रन्थों को पढ़ने से जहां उनके बहुश्रुत्य और बौद्धिकबल का दर्शन होता है।
22. आचार्यश्री तुलसी ने वि.सं. 2017 में दीक्षार्थिनी ..... को दीक्षित किया।
23. नारकीय..... दु:ख बहुल जीवन जीते हैं।
24. ..... नाथ स्वाम साहिब, सुजश तिलक पायो।
25. आठ सिद्धियों में से एक.....।

नोट : आपके उत्तर इस माह की 30 तारीख तक आपके नाम, पता, फोन नम्बर व पिनकोड के साथ प्रेषित करें। प्रत्येक माह 11 भाग्यशाली विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

सम्पर्क सूत्र :

श्रीमती रजनी बाफना

एस–200, पहला तल्ला, ग्रेटर कैलाश, पार्ट–।।, नई दिल्ली–110 048, मो. +91 93504 14439

मई माह की प्रश्नोत्तरी नं. 18 के उत्तर

1 आ	ध्या	त्मि	क	X	2 स	त्पु	3 रु	षा	र्थ
ग	X	X	X	4 गु	X	X	ष	X	X
5 म	इ	6 मो	ह	ण	X	7 क्ष	X	8 श	ब्द
ब	X	क्ष	X	भ	X	प	X	त	X
त्ती	X	X	9 या	व	त्	क	थि	क	X
10 सी	11 उ	ण्हं	X	ण	X	X	X	X	12 वी
X	प	X	X	ग	X	13 प्रा	य	श्चि	त
X	वा	X	14 रो	ह	क	X	X	X	रा
15 शा	स	16 न	X	ण	X	X	17 जी	X	ग
न्ति	X	18 मो	ह	X	19 त	र	त	म	ता

मई माह के प्रश्नोत्तरी–18 के भाग्यशाली विजेताओं के नाम

1.	शैली चोपड़ा	:	विजियानगरम्	7.	सरोज संचेती	:	अहमदाबाद
2.	बबीता भंसाली	:	अहमदाबाद	8.	मधु देवी नाहटा	:	बंगाईगांव
3.	पुष्पा डांगी	:	नवी मुम्बई	9.	मैना देवी नाहटा	:	कोलकाता
4.	तेजश्री बांठिया	:	सूरत	10.	नीतू श्रीश्रीमाल	:	मण्डया
5.	बीना जैन	:	साउथ हावड़ा	11.	निर्मला कांकरिया	:	कोयम्बटूर
6.	राजकुमारी जैन	:	साउथ हावड़ा				

आभार

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की विभिन्न प्रवृत्तियों में अनुदान की राशि निम्नलिखित अनुदानदाताओं से अथवा उनके सद्प्रयासों एवं प्रेरणा से प्राप्त हुए।

1,00,000/- : श्री अशोकजी-सायरजी बेंगानी द्वारा सप्रेम भेंट, कोलकाता।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं का हार्दिक आभार

परिसीमन प्रारुप के अंर्तगत कोलकाता में निम्न क्षेत्रों में नए महिला मंडल का गठन हुआ है:

क्षेत्र	अध्यक्ष	मंत्री
दक्षिण कोलकाता- बंगाल	पुखराज सेठिया	.....
पूर्वांचल कोलकाता- बंगाल	रमन पटावरी	प्रेम सुराणा
टालीगंज कोलकाता- बंगाल	अनिता सिंघी	.....
लिलुआ- बंगाल	विमला बोथरा	अमिता बरड़िया
हनुमंतनगर- बंगलोर	रेखा पोरवाल	मंजू दक
आर. आर. नगर- बंगलोर	कंचन छाजेड़	सरोज आर. बैद
विजयनगर- बंगलोर	सरोज टांटिया	महिमा पटावरी

नारी लोक हेतु सम्पर्क करें :
श्रीमती सौभाग बैद (जैन)
C-142, दयानंद मार्ग, तिलक नगर, जयपुर-302004
मोबाइल : +918003131111

नारी लोक

– सम्पर्क सूत्र –

राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्रीमती कल्पना बैद
5-डीई, अमर ज्योति,10, वेलवेडियर रोड, अलीपुर, कोलकाता-700 027, मोबाइल : 09831046456
ईमेल: abtmm.kalpana@gmail.com

महामंत्री
श्रीमती सुमन नाहटा
जी/67, कीर्ति नगर, नयी दिल्ली-110 015
मोबाइल : 098188 54120 ईमेल : nahata67@gmail.com

कोषाध्यक्ष
श्रीमती सरिता डागा
45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर-302 017
मोबाइल : 094133 39841 ईमेल : sarita.daga21@gmail.com

– नारीलोक संपादन सहयोग –
श्रीमती कमला छाजेड़ एवं **श्रीमती गुलाब सुराणा**, कोलकाता

www.terapanthinfo.com www.abtmm.org